# Gold demand may rise 25% on MSPs

**New Delhi:** India's gold demand is likely to surge 25% in the second half of this year on the improved purchasing power of farmers owing to higher minimum support price (MSP) for crops announced by the government, says a report.

India, the world's second-biggest buyer of the precious metal, consumes 800-900 tonne of gold annually. Two-thirds of the country's gold demand comes from rural areas. "Indian gold consumption was tepid in the first half of this year. Demand for gold is likely to surge in the second half of the year thanks to a good outlook for farmers," says the latest Assocham-World Gold Council report.

Analysts expect a 25% rise in gold demand in the second half of this year as compared to the year-ago period. Higher MSP should boost the gold trade, as it would put more cash in the hands of farmers and that bodes well for gold demand, it said.

Quoting an ICE 360 survey done last year, the report said one in every two households in India purchased gold within the last five years. Overall, 87% of households in the country own some amount of the yellow metal. Even households at the lowest income levels own some gold. More than 75% of families in the bottom 10% had managed to buy gold.

However, the rich Indians spend much more on gold compared to the poor. The average household spending on gold purchases was Rs 30,298 for the top decile (top 10%) in the last year, roughly eight times the average spending of the bottom decile (bottom 10%).

A significant share of households across income classes purchased gold during weddings. But a much higher proportion purchased gold for other social purposes such as for gifts, personal use, to enhance social status, or to offer for worship or during festivals such as Dhanteras', it said. —PTI

**ALL THAT GLITTER**

**900tn**

Annual gold consumption in India

**₹30.2K**

Average household spending on gold for the top decile

# 'Higher MSP to boost gold demand'

INDIA'S GOLD DEMAND is likely to surge 25% in the second half of this year on improved purchasing power of farmers owing to higher minimum support price (MSP) for crops announced by the government, says a report. "Demand for gold is likely to surge in the second half of the year thanks to a good outlook for farmers," says a Assocham-World Gold Council report.

### पिछले साल दूसरी छमाही में 261.5 टन थी डिमांड, इस वर्ष 325 टन हो सकती है

# ज्यादा एमएसपी से अक्टूबर-मार्च में सोने की मांग 25% बढ़ सकती है

**एसोचैम-वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का आकलन, दो-तिहाई बिक्री ग्रामीण इलाकों में होती है**

एजेंसी | नई दिल्ली

इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच देश में सोने की मांग पिछले साल के मुकाबले 25% तक ज्यादा रह सकती है। इसमें फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ने से किसानों की आमदनी में वृद्धि का अहम योगदान होगा। यह संभावना उद्योग संगठन एसोचैम और वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट में व्यक्त की गई है। भारत में सोने की दो-तिहाई मांग ग्रामीण इलाकों से आती है। 2017-18 की दूसरी छमाही में 261.5 टन सोने की मांग थी।

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से सितंबर के दौरान देश में सोने की बिक्री उत्साहजनक नहीं रही। लेकिन किसानों के लिए अनुकूल परिस्थितियां होने से दूसरी छमाही में मांग में तेजी आने के आसार हैं। दुनिया में भारत सोने का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सोना लक्जरी वस्तु नहीं है। गरीब भी इसे खरीदते हैं। एमएसपी बढ़ने से किसानों के हाथ में अधिक नकदी होगी। इससे सोने की मांग बढ़ेगी।

केंद्र सरकार ने इस साल खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य को बढ़ाकर लागत का डेढ़ गुना किया है। धान का एमएसपी 1,750-1,770 रुपए प्रति क्विंटल, मूंग का 6,975 रुपए, तुअर का 5,675 रुपए, उड़द का 5,600 रुपए, सोयाबीन का 3,399 रुपए और कपास का 5,150-5,450 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया है।

## 5 साल में हर दो में से एक परिवार ने सोना खरीदा

**सोने की खपत में भारत दूसरे नंबर पर**

- 800-900 टन सोने की खपत होती है भारत में हर साल
- 1,089 टन थी डिमांड पिछले साल चीन की
- 5 साल के दौरान हर दो में से एक परिवार ने सोना खरीदा
- 87% परिवारों के पास किसी न किसी रूप में सोना है

### सबसे कम कमाई वाले 75% परिवारों के पास भी है सोना

एसोचैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि कम आमदनी वाले परिवारों के पास भी कुछ न कुछ सोना होता है। इसने आईसीई 360 सर्वे के हवाले से कहा है कि आमदनी के लिहाज से निचले 10% परिवारों में 75% सोना खरीदने के लिए पैसे जुटा ही लेते हैं।

### पिछले साल 9% बढ़ी थी डिमांड

↑ बढ़त ↓ कमी (आंकड़े टन में) (स्रोत : डब्ल्यूजीसी)

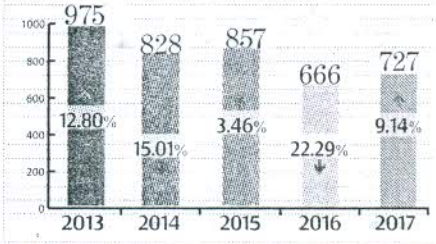

# 25% बढ़ेगी सोने की मांग

नई दिल्ली। चालू वर्ष की दूसरी छमाही में देश में सोने की मांग में 25 फीसदी की बढ़त हो सकती है। यह बढ़त सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा से उनकी खरीद क्षमता में सुधार आने की वजह से होगी। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई।

सोने की खरीद में विश्व के दूसरे सबसे बड़े देश भारत में सालाना आधार पर 800-900 टन सोने की खपत होती है। देश की सोने की कुल मांग का दो-तिहाई हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से आता है। एसोचैम की वर्ल्ड गोल्ड कौंसिल रिपोर्ट के अनुसार, चालू वर्ष की पहली छमाही में भारतीय बाजार में सोने की खपत कम रही थी, जबकि वर्ष की दूसरी छमाही में किसानों के बारे में मजबूत परिदृश्य के कारण भारत में सोने की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष की दूसरी छमाही में सोने की मांग में 25 फीसदी इजाफा होने की उम्मीद है। एजेंसी

**देश में सोने की कुल मांग का दो तिहाई हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र आधारित**

छोटी बचत से अब दोहरे फायदे
राष्ट्रीय बचत पत्र से बढ़ेगा मुनाफा

खबरें विस्तार से पढ़ने के लिए स्मार्टफोन के कैमरे या QR Code स्केनर से स्केन करें

amarujala.com पर

ASSOCHAM IN THE NEWS

Business Standard (Hindi) Page 3 24 September, 2018

### फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से पड़ेगा स्वर्ण मांग पर असर

# एमएसपी बढ़ने से बढ़ेगी सोने की मांग

भाषा
23 सितंबर

**सरकार** द्वारा फसलों के अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा से किसानों की क्रय क्षमता के बेहतर होने से दूसरी छमाही में देश में सोने की मांग में 25 प्रतिशत तक की तेजी आने की संभावना है। भारत सोने का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है और देश में हर साल सोने की खपत 800-900 टन रहती है।

एसोचैम-विश्व स्वर्ण परिषद की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली छमाही में देश में सोने की बिक्री की स्थिति उत्साहजनक नहीं रही थी। किसानों के लिए अनुकूल परिस्थितियां होने के कारण दूसरी छमाही में सोने की मांग में तेजी आने के आसार हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्लेषकों ने साल की दूसरी छमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में सोने की मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद जताई है। उसमें कहा गया है कि अधिक एमएसपी के कारण किसानों के हाथ में अधिक नकदी होगी, जिससे सोने की मांग बढ़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सोना विलासिता की वस्तु नहीं है और यहां तक कि गरीब लोग भी यह कीमती धातु खरीदते हैं।

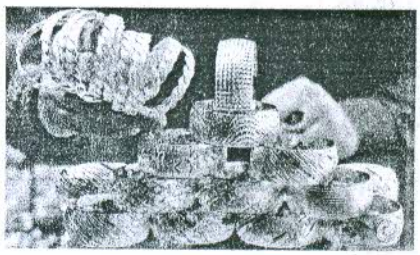

एमएसपी बढ़ने से किसानों की क्रय क्षमता में होगी वृद्धि

# एमएसपी में वृद्धि से सोने की मांग 25% बढ़ेगी

■ नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार द्वारा फसलों के अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा से किसानों की क्रय क्षमता के बेहतर होने से दूसरी छमाही में देश में सोने की मांग में 25 प्रतिशत तक की तेजी आने की संभावना है।

भारत सोने का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है और देश में हर साल सोने की खपत 800-900 टन रहती है। एसोचैम-विश्व स्वर्ण परिषद की एक हालिया रपट में कहा गया है, 'पहली छमाही में देश में सोने की बिक्री की स्थिति उत्साहजनक नहीं रही थी। किसानों के लिए अनुकूल परिस्थितियां होने के कारण दूसरी छमाही में सोने की मांग में तेजी आने के आसार हैं।' रपट में कहा गया है कि विश्लेषकों ने साल की दूसरी छमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में सोने की मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद जताई है। उसमें कहा गया है कि अधिक एमएसपी के कारण किसानों के हाथ में अधिक नकदी होगी, जिससे सोने की मांग बढ़ेगी।

■ किसानों की क्रय क्षमता में हुआ है इजाफा

■ अब विलासिता की वस्तु नहीं रह गया है सोना

■ देश के गरीब व किसान भी खरीदते हैं सोना

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सोना विलासिता की वस्तु नहीं है और यहां तक कि गरीब लोग भी यह कीमती धातु खरीदते हैं।